नईदुनिया

भाजपा कार्यालय में मंत्री भूरिया ने सुनीं जनसमस्याएं

भोपाल : कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजनों से संवाद किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उन्हें संबंधित विभागों को भेजा गया। मंत्री भूरिया ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि जनसमस्याओं के समाधान के लिए सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचीं अभिनेत्री यामी गौतम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम बुधवार को अपने पति और फिल्म निर्देशक आदित्य धर के साथ उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन करने उज्जैन पहुंचीं। यामी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।

अभिनेत्री यामी गौतम और आदित्य धर ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मंदिर पहुंचकर चांदी द्वार से बाबा महाकाल को जल अर्पित किया। इसके बाद वे नंदी हॉल में बैठे और भगवान महाकाल की आराधना की। दर्शन के बाद उन्होंने नंदी के कान में अपनी मनोकामना भी कही। मंदिर परिसर में उन्होंने आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया और कुछ समय यहां बिताया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी ने यामी गौतम और आदित्य धर का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। दोनों को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मंदिर प्रशासन की ओर से दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।

दर्शन के बाद अभिनेत्री भावुक नजर आईं। उन्होंने अपनी फिल्म ओह माय गॉड 2' से जुड़ी यादें साझा करते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग के दौरान किसी कारणवश वह उज्जैन आकर बाबा महाकाल के दर्शन नहीं कर पाई थीं। लंबे समय से उनके मन में यहां आने की इच्छा थी, जो आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि जब बाबा महाकाल का बुलावा आया तो वह परिवार के साथ दर्शन के लिए चली आईं।

इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन में शामिल होंगे नागदा, धार और रतलाम : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, नागदा : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के विकास दायरे में नागदा, धार और रतलाम को भी शामिल किया गया है। इससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं, उद्योग और रोजगार के अवसरों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन और आसपास के जिलों में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री नागदा स्थित श्री बालाजी धाम में आयोजित श्रीराम दरबार प्राण-प्रतिष्ठा एवं ध्वज पूजा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण हुआ है, जिससे पांच सौ वर्षों का संघर्ष पूर्ण हुआ। राज्य सरकार चित्रकूट धाम के विकास पर दो हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। साथ ही जिन स्थानों पर भगवान श्रीराम के चरण पड़े, उन्हें श्रीराम वन गमन पथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े धार्मिक स्थलों को भी श्रीकृष्ण पाथेय योजना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बालाजी धाम में फर्श, बाउंड्रीवाल और पेयजल सहित सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गोपाल कृष्ण को आदर्श मानते हुए घर-घर गाय और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पित है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत 10 लाख रुपये तक अनुदान का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में दूध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत ने कहा कि विश्व कल्याण और शांति के लिए आज पूरी दुनिया सनातन धर्म की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, विधायकगण, संत-महात्मा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

19-20 जून को होंगी प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मध्यप्रदेश द्वारा 19 और 20 जून को प्रदेशव्यापी प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी 62 जिलों में दो-दो स्थानों पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। चावड़ा ने बताया कि प्रत्येक कार्यशाला में कम से कम 500 किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रमों में प्राकृतिक खेती से जुड़े आधुनिक तरीकों, कम लागत वाली कृषि पद्धतियों और सफल प्रयोगों की जानकारी किसानों को दी जाएगी। कार्यशालाओं में कृषि वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और सफल किसान अपने अनुभव साझा करेंगे। किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने, उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने तथा बाजार की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का सम्मान भी किया जाएगा।

नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के आरोपी को पांच साल की सजा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : *राजधानी की विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ करने के मामले में आरोपी पूरन सिंह आदिवासी को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार 7 मई 2025 को अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी घर के पास स्थित दुकान पर सामान लेने गई थी। वहां मौजूद आरोपी ने उसे 100 रुपये का लालच देकर अपने पास बुलाया, उसका हाथ पकड़कर खींचा और अनुचित हरकत की। इसी दौरान किसी अन्य व्यक्ति के वहां पहुंचने पर आरोपी ने बालिका को जाने दिया। घर लौटने पर बालिका ने घटना की जानकारी अपने माता-पिता को दी। इसके बाद परिजनों ने आरोपी की पहचान कर पुलिस को सूचना दी। शिकायत के आधार पर अशोका गार्डन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध आरोप सिद्ध किए। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) मनोहरलाल पाटीदार की अदालत ने आरोपी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 9(एम)/10 के तहत पांच वर्ष के सश्रम कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। साथ ही बीएनएस की धारा 74 के तहत तीन वर्ष के सश्रम कारावास तथा एक हजार रुपये के जुर्माने की सजा भी सुनाई। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक अजय शंकर प्रजापति और ज्योति कुजूर ने पैरवी की। न्यायालय के इस फैसले को बच्चों के खिलाफ अपराधों पर सख्त कार्रवाई के संदेश के रूप में देखा जा रहा है।*

प्रदेशभर में गुम और अपहृत बच्चों को परिजनों से मिलाने में पुलिस को मिली सफलता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : मध्यप्रदेश पुलिस ने गुम एवं अपहृत बच्चों की शीघ्र दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रयासों के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में कई बच्चों को सकुशल खोजकर उनके परिजनों से मिलाया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील कार्यशैली से अनेक परिवारों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौट आई है।

पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार विगत दो दिनों में रीवा, खरगोन, धार, गुना, भोपाल, मुरैना और देवास जिलों में अलग-अलग मामलों में कार्रवाई कर कई नाबालिगों को सुरक्षित बरामद किया गया। रीवा जिले में पुलिस ने छह नाबालिगों को दस्तयाब किया, जिनमें अपहृत बालिकाएं और घर से लापता बालक शामिल हैं। अधिकांश मामलों में बच्चों को 24 घंटे के भीतर खोज लिया गया। खरगोन जिले के सनावद क्षेत्र में गुम हुए 11 वर्षीय बालक को पुलिस ने व्यापक खोज अभियान चलाकर खेड़ी घाट क्षेत्र से सुरक्षित बरामद किया। धार के पीथमपुर में घर से भटक गई तीन मासूम बालिकाओं को खोजकर उनके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। गुना के म्याना थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय बालक को महज छह घंटे में तलाश लिया गया।

भोपाल के शाहजहांनाबाद क्षेत्र में लापता हुई 15 वर्षीय बालिका को पुलिस ने रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद किया। पूछताछ में पता चला कि वह परिवार की डांट से नाराज होकर घर छोड़कर चली गई थी। वहीं मुरैना में पुलिस ने एक नाबालिग बालिका को छह घंटे के भीतर खोज निकाला। देवास जिले में 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत दो अपहृत बालिकाओं को सीहोर और धार जिलों से सुरक्षित बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुम एवं अपहृत बच्चों की तलाश को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। आमजन से भी अपील की गई है कि किसी बच्चे के गुम होने या संदिग्ध परिस्थिति की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा डायल-112 को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

सतपुड़ा-टाइगर रिजर्व में संरक्षण कार्यों को मिलेगा नया बल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने की दिशा में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के बीच दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन समझौतों का उद्देश्य नर्मदापुरम स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और सिवनी के पेंच टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्यजीव संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देना है। समझौतों के तहत दोनों टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों के आवास संरक्षण और प्रबंधन से जुड़े विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इनमें वॉच टावरों का निर्माण, वन गश्ती तंत्र को मजबूत करना, सौर ऊर्जा आधारित

जल प्रणालियों की स्थापना, आक्रामक वनस्पति प्रजातियों का उन्मूलन तथा देशज घासभूमियों का पुर्नस्थापन शामिल है। इन पहलों से जैव विविधता संरक्षण को बल मिलेगा और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। डब्ल्यूसीएल प्रबंधन ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी ने कहा कि वह अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधियों के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक धरोहरों के संवर्धन में लगातार योगदान दे रही है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण और समुदाय आधारित पहलों को समर्थन देना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इससे संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने में मदद मिलेगी।

पेज एक से जारी खबर के शेष...

कर्मवीर शर्मा बने भोपाल ...
विवेक कुमार पोरवाल - प्रमुख सचिव, खनिज साधन विभाग।

सचिव स्तर पर अहम नियुक्तियां
संजीव सिंह - सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बाबू सिंह जामोद - सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, दिनेश श्रीवास्तव - सचिव स्तर पर मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग में पदस्थ, आलोक कुमार सिंह - पंजीयन महानिरीक्षक एवं अधीक्षक मुद्रांक।

आयुक्त एवं संभागीय स्तर पर प्रमुख बदलाव
कर्मवीर शर्मा - आयुक्त, भोपाल संभाग, शीलेंद्र सिंह - आयुक्त, रीवा संभाग, दीपक सिंह - आयुक्त-सह-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सतेन्द्र सिंह - आयुक्त, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा अनुसूचित जाति विकास, भास्कर लाक्षकार - आयुक्त-सह-संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, अमित तोमर - आयुक्त, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा (अतिरिक्त प्रभार)।

प्रबंध संचालक एवं महत्वपूर्ण संस्थानों में बदलाव
अमित तोमर - प्रबंध संचालक, ऊर्जा विकास निगम, नेहा मारव्या सिंह - संचालक, आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं तथा एमएपीसेट एवं अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम का प्रभार, रोहित सिंह - प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम, विनय निगम - मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम), अरविंद कुमार शाह - मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आयुष्मान भारत। इसके अलावा भारती जाटव ओगरे, अमनबीर सिंह बैंस, कैलाश वानखेड़े, अमर बहादुर सिंह, पवन कुमार जैन, रानी बाटड, मंजूषा विक्रांत राय, शैली कनाश सहित कई अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सरकार ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपे हैं।

अपर मुख्य सचिव के.सी. गुप्ता को कृषि उत्पादन आयुक्त, अनिरुद्ध मुखर्जी को पर्यावरण विभाग एवं पर्यावरण आयुक्त, गुलशन बामरा को अनुसूचित जाति कल्याण विभाग तथा सोनिया मीना को संस्थागत वित्त आयुक्त-सह-संचालक का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है।

सरकार के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने, विभागों के बेहतर समन्वय और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है। सभी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रद्धांजलि नीट परीक्षा की तैयारियों की मीडिया को दी जानकारी...

पूर्व मुख्यमंत्री काटजू को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कैलाशनाथ काटजू की 139वीं जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने स्व. काटजू के सार्वजनिक जीवन और प्रदेश के विकास में उनके योगदान को स्मरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रतलाम जिले की जावरा तहसील में जन्मे कैलाशनाथ काटजू ने वर्ष 1957 से 1962 तक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सेवाएं दीं। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार में रक्षा और कानून जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली तथा विभिन्न राज्यों के राज्यपाल भी रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी सक्रिय भूमिका और प्रशासनिक दक्षता ने उन्हें देश के प्रमुख नेताओं में स्थान दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. काटजू का जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का दृष्टिकोण

आज भी प्रेरणास्रोत है। मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने नीट परीक्षा के आयोजन को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परीक्षा के सुचारू, पारदर्शी और निर्विघ्न संचालन के लिए राज्य सरकार केंद्र सरकार के लगातार संपर्क में है। सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं तथा रोल नंबर सत्यापन की प्रक्रिया को भी सुदृढ़ बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए भोपाल, इंदौर सहित अधिक परीक्षा केंद्रों वाले शहरों में अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, विश्राम और रिफ्रेशमेंट जैसी सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि परीक्षा के दौरान किसी भी छात्र या अभिभावक को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com